झारखण्ड विधान सभा

दैनिक विवरणिका

पंचम् झारखण्ड विधान सभा — तृतीय(मॉनसून) सत्र

संख्या-01 — शुक्रवार, दिनांक-18 सितम्बर, 2020 ई०।

समय-11.00 बजे पूर्वाह्न से 12.18 बजे अप० तक।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।

1. अध्यक्ष का प्रारम्भिक वक्तव्य:-

पंचम् झारखण्ड विधान सभा के तृतीय (मॉनसून) सत्र में सभी माननीय सदस्यों का अध्यक्ष महोदय द्वारा हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। इसके उपरांत उन्होंने कोविड-19 महामारी के सम्बन्ध में विस्तार से उल्लेख किया और इस दौरान जीवन जीने के तरीके में हुए परिवर्तन से मानव जीवन पर हुए प्रभाव को भी ईंगित किया। लाखों जिंदगियाँ काल के गाल में समा गयीं, इतना ही नहीं हमारी आर्थिक और शैक्षणिक सहित कतिपय गतिविधियाँ थम सी गयी, सकल घरेलू उत्पाद में अप्रत्याशित कमी, उपभोक्ता मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि और बढ़ती बेरोजगारी हमारे सामने गम्भीर चुनौती बनकर खड़ी है। शैक्षणिक संस्थानों के बन्द रहने के कारण ऑन-लाईन पढ़ाई को अपर्याप्त बताया गया। इस कोरोना काल में वैज्ञानिकों, कोरोना योद्धाओं, चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफों की सराहनीय भूमिका से सदन को अवगत कराते हुए माननीय अध्यक्ष महोदय ने हरिवंश राय बच्चन की निम्न पंक्तियों को उद्धृत किया-

एक चिड़िया चोंच में तिनका
लिए जो जा रही है,
वह सहज में ही पवन
उंचास को नीचा दिखाती।

नाश के दुःख से कभी
दबता नहीं निर्माण का सुख
प्रलय की निस्तब्धता से
सृष्टि का नव गान फिर-फिर।

नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
नेह का आह्वान फिर-फिर।

आसन द्वारा यह अपेक्षा की गयी कि संकट की इस घड़ी में सबों का सहयोग दलीय प्रतिबद्धताओं से बाहर आकर इस नेतृत्व को मिलेगा तथा झारखण्ड की सवा तीन

क्र०पृ०८

करोड़ जनता की शुभकामनायें भी हमारे साथ होंगी तो हम निश्चित रूप से कामयाब होंगे।

25 मार्च, 2020 की अर्द्ध रात्रि से परिवहन व्यवस्थाओं के बन्द हो जाने के बाद माननीय मुख्यमंत्री, श्री हेमन्त सोरेन द्वारा अपने सद्प्रयासों से झारखण्ड के मजदूरों को प्रथम श्रमिक स्पेशल ट्रेन से वापस लाकर उनके कोरेन्टाईन की अवधि में भोजन आदि की व्यवस्था भी पूरी तत्परता के साथ करायी गयी। इतना ही नहीं आवश्यकतानुसार प्रवासी मजदूरों को हवाई मार्ग से भी झारखण्ड लाया गया जिसके लिये आसन द्वारा पूरी सरकार को धन्यवाद दिया गया।

कोरोना संक्रमण के आलोक में सुरक्षात्मक उपायों के तहत सभा के इस सत्र में सदन के बाहर और भीतर हिफाजत की दृष्टि से व्यवस्था की गयी है जो आवश्यक है और आसन व्यवस्था में आवश्यक शारीरिक दूरी भी सदस्यों के बीच स्थापित करने का प्रयास किया गया है। आसन द्वारा इसमें माननीय सदस्यों से अपेक्षित सहयोग की अपेक्षा की गयी तत्पश्चात् इस सत्र में वित्तीय वर्ष-2020-21 के पेश होनेवाले अनुपूरक बजट के साथ-साथ कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों के लाये जाने की संभावनाओं से भी अवगत कराया गया। आसन द्वारा यह आशा व्यक्त की गयी कि इस छोटे से सत्र में माननीय सदस्य समय का सदुपयोग करेंगे और आसन को सहयोग प्राप्त होगा।

2.सभापति तालिका की घोषणा:-

आसन द्वारा झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम-10(1) के तहत पंचम् झारखण्ड विधान सभा के तृतीय (मॉनसून) सत्र के निमित्त निम्नांकित माननीय सदस्यों को सभापति मनोनीत किया गया-

श्री स्टीफन मराण्डी	स०वि०स०
श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी	स०वि०स०
डॉ सरफराज अहमद	स०वि०स०
श्रीमती सीता मुर्मू	स०वि०स० एवं
श्री अनन्त कुमार ओझा	स०वि०स०।

3. कार्य-मंत्रणा समिति का गठन:-

आसन द्वारा झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम-224(1) के तहत पंचम् झारखण्ड विधान सभा के तृतीय (मॉनसून) सत्र के निमित्त कार्य-मंत्रणा समिति का गठन निम्न प्रकार से किया गया-

श्री रबीन्द्रनाथ महतो	अध्यक्ष	सभापति
श्री हेमन्त सोरेन	मुख्यमंत्री	सदस्य
श्री आलमगीर आलम	संसदीय कार्य मंत्री	सदस्य
श्री सत्यानन्द भोक्ता	मंत्री	सदस्य
श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह	स०वि०स०	सदस्य
श्री सुदेश कुमार महतो	स०वि०स०	सदस्य
श्री सरयू राय	स०वि०स०	सदस्य।

विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री चम्पाई सोरेन	मंत्री

न्०पु०उ०

डॉ० रामेश्वर उरॉव	मंत्री
श्री स्टीफन मराण्डी	स०वि०स०
श्री नलिन सोरेन	मुख्य सचेतक (सत्तारूढ़ दल)
श्री लोबिन हेम्ब्रम	स०वि०स०
श्री नीलकण्ठ सिंह मुण्डा	स०वि०स०
श्री प्रदीप यादव	स०वि०स०
श्रीमती अपर्णासेन गुप्ता	स०वि०स०
श्री विनोद कुमार सिंह	स०वि०स०
श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह	स०वि०स०।

नियमानुसार अध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे तदुपरांत आसन द्वारा संसूचित किया गया कि सदन की कार्यवाही के तुरत बाद उनके कार्यालय कक्ष में उक्त समिति की बैठक होगी जिसमें समिति के सभी माननीय सदस्यों से उपस्थित रहने हेतु अनुरोध किया गया।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री प्रदीप यादव द्वारा आसन से अनुरोध किया गया कि सत्र के दौरान कोरोना महामारी पर विशेष चर्चा करायी जाय। आसन द्वारा इस विषय पर कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विचार किये जाने की बात कही गयी।)

4. औपचारिक कार्य:-

I- आसन द्वारा पुकारे जाने पर माननीय संसदीय कार्यमंत्री, श्री आलमगीर आलम द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद-213 के खण्ड(2)(क) के अनुसरण में माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा प्रख्यापित निम्न अध्यादेशों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखी गयी-

(1) **The Jharkhand Mineral Bearing Lands (Covid-19 Pandemic) Cess Ordinance, 2020**
(झारखण्ड अध्यादेश संख्या-02/2020)

(2) झारखण्ड माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2020
(झारखण्ड अध्यादेश संख्या-02/2020)

(3) झारखण्ड माल और सेवा कर (कतिपय प्रावधानों में छूट) अध्यादेश, 2020
(झारखण्ड अध्यादेश संख्या-03/2020)

(4) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन) अध्यादेश, 2020
(झारखण्ड अध्यादेश संख्या-04/2020)

(5) झारखण्ड मोटर वाहन करारोपण (संशोधन) अध्यादेश, 2020
(झारखण्ड अध्यादेश संख्या-05/2020)

II- आसन द्वारा पुकारे जाने पर सभा सचिव द्वारा झारखण्ड विधान सभा के विगत सत्रों में उद्भूत एवं सभा द्वारा पारित विधेयकों की एक विवरणी सभा पटल पर रखी गयी जिसपर माननीय राज्यपाल महोदया ने अपनी अनुमति प्रदान की है और जिसकी सूचना पंचम् झारखण्ड विधान सभा के द्वितीय (बजट) सत्र की समाप्ति के बाद प्राप्त हुई है-

माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा अनुमत विधेयकों की विवरणी:-

क्रमांक	अनुमत विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि	अधिनियम की संख्या
01	झारखण्ड विनियोग (संख्या-01) विधेयक, 2020	17.01.2020	01/2020
02	झारखण्ड विनियोग (संख्या-02) विधेयक, 2020	05.03.2020	02/2020
03	झारखण्ड विनियोग (संख्या-03) विधेयक, 2020	27.03.2020	03/2020

5.वित्तीय-कार्य:-

आसन द्वारा पुकारे जाने पर माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, डॉ० रामेश्वर उराँव द्वारा वित्तीय वर्ष-2020-21 के प्रथम अनुपूरक व्यय-विवरणी का उपस्थापन सभा पटल पर किया गया जिसपर कटौती का प्रस्ताव आज दिनांक-18 सितम्बर, 2020 को 04.00 बजे अप० तक सभा सचिव को दिये जाने की सूचना आसन द्वारा माननीय सदस्यों को दी गयी।

6.आसन से सूचना:-

वर्त्तमान सत्र के दौरान सभी माननीय सदस्यों के निमित्त सदन नेता द्वारा तीनों दिन भोजन की व्यवस्था किये जाने सम्बन्धी सूचना आसन द्वारा सदन को दी गयी और आग्रह किया गया कि उक्त व्यवस्था में सभी माननीय सदस्य सम्मिलित रहेंगे।

इसके अतिरिक्त माननीय सदस्यों के लिए स्थायी परिचय-पत्र बनाये जाने हेतु फोटोग्राफी की व्यवस्था की जानकारी दी गयी और आग्रह किया गया कि सभी माननीय सदस्य अपना-अपना फोटो खिंचवायेंगे।

7.शोक-प्रकाश:-

विगत सत्र से अब तक के अन्तराल में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, लेखक, समाजसेवी और आम नागरिक गुजर गये हैं जिनमें पूर्व राष्ट्रपति, प्रणव मुखर्जी, समेत, मनरेगा के जनक, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, रघुवंश प्रसाद सिंह, बेरमो के काँग्रेस विधायक राजेन्द्र प्रसाद सिंह, कन्याकुमारी से लोकसभा सदस्य, बसंत कुमार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के राज्यपाल, लालजी टंडन, राज्यसभा सदस्य, अमर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, बेनी प्रसाद वर्मा, छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री, अजीत जोगी, सामाजिक कार्यकर्त्ता, स्वामी अग्निवेश, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व क्रिकेटर, चेतन चौहान, भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के राज्य सचिव, सत्यनारायण सिंह, पूर्व सांसद और समाजवादी नेता, राम अवधेश सिंह, कांके विधान सभा क्षेत्र के पूर्व सदस्य, रामचन्द्र बैठा, पूर्व कानून मंत्री और काँग्रेस नेता, हंसराज भारद्वाज, संविधान के मूल ढाँचे का सिद्धांत दिलाने वाले संत और संविधान के रक्षक, केशवानंद भारती, पूर्व विधान परिषद् के सदस्य, छत्रपति शाही मुण्डा, छऊ नृत्यकार, पद्श्री मंगलाचरण मोहंती, पूर्व विधान परिषद् के सदस्य, रवीन्द्र तांती, चंदनकियारी के पूर्व सदस्य, दुर्गा चरण दास, खरसावाँ राजघराने के राजा, प्रदीप चन्द्र सिंहदेव, शास्त्रीय गायक, पंडित जसराज, मशहूर शायर, राहत इंदौरी, पूर्व मंत्री एवं सांसद, रामदेव राय, लोकसभा सांसद,

क्र० पृ०उ०

आतंकी मुठभेड़ में शहीद, कुलदीप ठरौंव, गलवान घाटी में हुए हिंसक झड़प में शहीद 20 जवान, बंगाल में आये चक्रवाती तूफान, अम्फान में मृत 72 व्यक्तियों, कोरोना काल में घर वापसी के दौरान बोकारो के 25 प्रवासी मजदूरों की दुर्घटना में हुई मौत, विशाखापत्तनम में हुए गैस रिसाव से 11 लोगों की हुई मृत्यु तथा पी.टी.आई. के ब्यूरो चीफ पी.वी. रामानुजम के निधन पर दिवंगत आत्माओं के प्रति आसन द्वारा शोक-संवेदना व्यक्त की गयी तत्पश्चात् पुकारे जाने पर बारी-बारी से माननीय मुख्यमंत्री एवं सदन नेता, श्री हेमन्त सोरेन, माननीय सदस्य, श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री आलमगीर आलम, माननीय सदस्य, श्री सुदेश कुमार महतो, श्री प्रदीप यादव, माननीय मंत्री, श्री सत्यानन्द भोक्ता, श्री बिनोद कुमार सिंह, श्री सरयू राय एवं श्री अमित कुमार यादव द्वारा भी दिवंगत आत्माओं के प्रति शोक-संवेदनायें व्यक्त की गयी।माननीय सदस्य, श्री सुदेश कुमार महतो द्वारा स्व० सुशान्त सिंह राजपूत एवं माननीय सदस्य,श्री बिनोद कुमार सिंह द्वारा स्व० बशीर अहमद के प्रति भी शोक संवेदनायें व्यक्त की गई तदुपरांत दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक-21.09.2020 को 11.00 बजे पूर्वा० तक के लिए स्थगित की गयी।

रांची,
दिनांक- 18 सितम्बर, 2020 ई०।

महेन्द्र प्रसाद
सचिव,
झारखण्ड विधान सभा।